'गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए सड़क निर्माण कार्य समय पर पूरा करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

जयपुर, 13 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए।

- **मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करें।**
- **उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि आरओबी तथा आरयूबी के माध्यम से प्रदेश को शीघ्र रेलवे फाटक मुक्त किया जाये।**

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए।

बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

इज़रायल ने शुक्रवार की सुबह ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं समझ पा रहे हैं कि उनके कदम दुनिया को एक और वैश्विक युद्ध की ओर धकेल रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे बीसवीं सदी में दो विश्व युद्ध लड़े गए थे। शुक्रवार सुबह इज़राइल ने "ऑपरेशन राईज़िंग लायन" के तहत ईरान के लगभग 100 ठिकानों पर एक साथ हमला किया, जिनमें उसके परमाणु केन्द्र और सैन्य कमांड सेंटर शामिल थे।

हमले के बाद एबीसी न्यूज़ को ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि यह शानदार रहा। हमने उन्हें मौका दिया और उन्होंने उसे गंवा दिया। उन्हें बहुत ज़ोर से, बहुत बुरी तरह मारा गया। और अभी बहुत कुछ बाकी है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका ने इस हमले में किसी भी तरह से भाग लिया, तो ट्रंप ने जवाब दिया, "मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता।" ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रमों पर रोक की अमेरिकी मांगों का विरोध कर इस हमले को खुद ही आमंत्रित किया। उन्होंने तेहरान से एक समझौता करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इसके बाद "पहले से ज्यादा योजनाबद्ध हमले" और भी अधिक क्रूर होंगे।

उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मैंने ईरान को बार-बार समझौते का मौका दिया। मैंने उन्हें सख्त शब्दों में कहा, "इसे कर लो", लेकिन चाहे मैंने कितनी भी कोशिश की, पर समझौते के करीब आकर भी कुछ कर नहीं हुआ।"

ट्रंप ने कहा, इससे पहले कि कुछ भी बाकी न बचे, ईरान को समझौता करना ही होगा। और उस चीज़ को बचाएं जिसे एक समय ईरानी साम्राज्य कहा जाता था। अब और मौत नहीं, अब और तबाही नहीं। बस समझौता कर लो, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

इज़राइल ने हमले को उचित ठहराते हुए कहा कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम चरम पर पहुँच चुका था, जहाँ से वापसी संभव नहीं थी।

दूसरी ओर, ईरान ने इज़राइली हमले को युद्ध की घोषणा बताया है। उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई ने चेतावनी दी कि इज़राइल को कठोर और दर्दनाक सजा भुगतनी पड़ेगी। तेहरान में शुक्रवार को इज़राइली वायुसेना द्वारा की गई बमबारी के धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इज़राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने पूरे देश में आपातकाल घोषित कर दिया, जैसा कि समाचार एजेंसी एक्सिओस ने रिपोर्ट किया। तेहरान के लोगों की नींद धमाकों की आवाज़ से ही खुली। ईरान के सरकारी टेलीविज़न ने धमाकों की पुष्टि की। इज़राइल ने शुक्रवार को देश भर में स्कूल बंद रखने की घोषणा की

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन ठिकानों को निशाना बनाया गया था इस हमले के बाद ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत में 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। वाइट हाउस से एक बयान में कहा गया, "आज रात, इज़राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की। हम इस हमले में शामिल नहीं हैं और हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा है। इज़राइल ने हमें सूचित किया कि यह कार्रवाई उसकी आत्मरक्षा के लिए जरूरी थी। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रशासन ने हमारी सेनाओं की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं और हम अपने क्षेत्रीय साझेदारों के संपर्क में हैं। स्पष्ट कर दें: ईरान को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए।" तेहरान में धमाकों की शुरुआत के समय ट्रंप वाइट हाउस के लॉन पर कांग्रेस सदस्यों से मिल रहे थे। यह स्पष्ट नहीं था कि उन्हें हमले की जानकारी दी गई थी या नहीं, लेकिन वे हाथ मिलाते और तस्वीरें खिंचवाते रहे, जैसा कि एसोसिएटेड प्रेस ने बताया।

इसी बीच, इज़राइली सेना ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को इज़राइल पर लगभग 100 ड्रोन छोड़े, जिन्हें गिराने का प्रयास किया जा रहा है, यह ईरान पर इज़राइली हमलों के बाद की प्रतिक्रिया है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने पत्रकारों से कहा, ईरान ने इज़राइली क्षेत्र की ओर लगभग 100 यूएवी (ड्रोन) भेजे हैं, जिन्हें हम इंटरसेप्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईरान पर इज़राइल के हमले में लगभग 200 फाइटर जेट्स ने लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया।

विश्व के सबसे "सेफ"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आम राय यह है कि "ड्रीमलाइनर" सर्वाधिक सुरक्षित विमान माना जाता है, फिर यह सब कैसे हुआ।

इस और इस जैसे अनेक प्रश्नों के उत्तरों की लोगों को प्रतीक्षा है तथा सभी संबंधित लोगों के सर्वाधिक हित में यही होगा कि जाँच के निष्कर्षों को छिपाने तथा सच्चाई में घाल-मेल की कोई भी कोशिश न हो।

अंबानी परिवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायिक दखलंदाजी की माँग की जा रही है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा एवं मनमोहन की बैंच ने याचिकाकर्ता, विकास साहा की खिंचाई की और कहा कि उन्होंने फिर से नई अर्ज़ी पेश की है, जबकि अदालत अपने पूर्व आदेशों में कह चुकी है कि उन्हें इस प्रकार के मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। बैंच ने कहा, "याचिकाकर्ता के पास इस मुद्दे को उठाने का कोई कानूनी आधार नहीं है।" इस टिप्पणी के साथ ही, बैंच ने याचिका को "सारहीन" एवं "खीज पैदा करने वाली" बताते हुए खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने चेतावनी जारी करते हुए कहा, "हम याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हैं कि वे भविष्य में ऐसा कुछ न करें, अन्यथा यह अदालत उन पर जुर्माना लगाने पर विचार करेगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान, साहा के वकील ने अंबानी परिवार के सुरक्षा-संबंधी खतरे का समय-समय पर पुन: आकलन किये जाने की माँग की तथा कहा कि खतरे की स्थिति/संभावना को स्थायी नहीं माना जा सकता। अदालत ने याचिका को मैरिट-रहित बताया, क्योंकि अदालत ने जुलाई 2022 के अपने फैसले में सुरक्षा-कवर के अंबानी परिवार के हक की पुष्टि कर दी थी, तथा त्रिपुरा उच्च न्यायालय के समक्ष लम्बित इसी प्रकार की प्रक्रिया को बंद कर दिया था।

प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी संख्या में लोगों की जान का इस तरह अचानक और हृदयविदारक ढंग से चले जाने का दुख शब्दों से परे है। सभी शोक-संतप्त परिवारों को मेरी संवेदनाएं। हम उनके दु:ख को समझते हैं और तथा यह भी जानते हैं कि यह खालीपन आने वाले वर्षों तक महसूस किया जाएगा। ॐ शांति"।

उनहोंने आगे लिखा, "शुक्रवार को अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल का दौरा किया। तबाही का दृश्य बेहद दुखद था।

अधिकारियों और राहत कार्य में लगे दलों से मुलाकात की, जो लगातार निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। हमारी प्रार्थनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने इस कल्पनातीत त्रासदी में अपनों को खोया है।"

क्या अहमदाबाद क्रैश के कारण यात्रियों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एविएशन (विमानन) विशेषज्ञों का कहना है कि निस्संदेह यह त्रासदी बेहद दुखद है, लेकिन यह विमानन प्रणाली के ढहने का संकेत नहीं है। हवाई यात्रा अब भी सांख्यिकीय रूप से (स्टैटिस्टिक्स के हिसाब से), सबसे सुरक्षित परिवहन माध्यम है। अभी तक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर का एक बेहतरीन सुरक्षा रिकॉर्ड था तथा इसके लॉंच के बाद से कॉमर्शियल सर्विस के दौरान एक भी यात्री की मौत नहीं हुई। पर वह सिलसिला अब समाप्त हो गया है, लेकिन सुरक्षा के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता अब भी अटूट है। जांचकर्ता अब ब्लैक बॉक्स डेटा, उड़ान नियंत्रण सेटिंग्स, इंजन आउटपुट और क्रू की बातचीत की जांच करेंगे, ताकि यह समझा जा सके कि उड़ान भरने के कुछ ही पलों में ऐसा क्या हुआ, जो जानलेवा साबित हुआ।

लेकिन यात्रियों का भरोसा एक अलग कहानी है। दुर्घटनाएं-भले ही अति विरल हों-लोगों के मन में गहरी दहशत बैठा देती हैं। कई हवाई यात्रियों के लिए, विशेषकर जो ड्रीमलाइनर मार्गों पर यात्रा करने वाले हैं, या जिनके पास एयर इंडिया का टिकट है, उनके मन में अब संकोच दिखने लगा है। ए.आई.-171 की अंतिम क्षणों की भयावह तस्वीरें अब हर जगह फैल चुकी हैं, जो इस डर को और बढ़ा रही हैं। आग और दु:ख के कारण एक बार जब विश्वास टूट जाता है, तो उसे फिर से बनाना कठिन होता है- और इसके लिए पारदर्शिता जरूरी होती है। टाटा समूह के अधीन एयर इंडिया अब अपनी सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रही है। एयरलाइन ने अपने कायाकल्प का वादा किया था-नया ब्रांड, बेहतर सेवा, और बेड़े में व्यापक बदलाव का। लेकिन जो ड्रीमलाइनर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वह 11 साल पुराना था, और अब यह विमान रखरखाव, प्रशिक्षण और तैयारियों को लेकर सवालों का प्रतीक बन गया है। एयर इंडिया ने फिलहाल समान मॉडलों को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया है और भारत विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही जांच में पूर्ण सहयोग देने की बात कही है, जिसमें अमेरिकी अधिकारी और बोइंग का सहयोग भी शामिल हैं।

विश्वास बहाल करना केवल मुआवज़ा देने से नहीं होगा (एयर इंडिया ने प्रत्येक पीड़ित को 1 करोड़ का मुआवजा देने की घोषणा की है)। इसके लिए ईमानदारी, तत्परता और स्पष्ट सुधारों की आवश्यकता है, वरना एयर इंडिया का विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

वैश्विक स्तर पर हवाई अड्डों, एयरलाइन बोर्डरूम्स और नियामक एजेंसियों में इस हादसे को लेकर प्रतिक्रिया होगी। ड्रीमलाइनर का संचालन करने वाली अन्य एयरलाइंस भी अतिरिक्त जांच करेंगी। पहले से ही गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर आलोचना झेल रही बोइंग कंपनी को अब नए सिरे से जांच और जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा, सिर्फ विमान डिजाइन ही नहीं, बल्कि कॉरपोरेट पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी।

फिर भी, यह 2019 जैसा संकट नहीं है। बोइंग 737 मैक्स संकट ने जहां सॉफ़्टवेयर और निगरानी में गहरी खामियां उजागर की थीं, ए.आई.-171 के हादसे में अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह किसी मूलभूत संरचनात्मक ख़ामी (सिस्टमैटिक डिज़ाइन इशू) के कारण हुआ है। लेकिन जनता अंतिम रिपोर्ट का इंतजार नहीं करेगी। निर्णय लेने के लिए जनता तुरंत फैसला करती है।

आने वाले हफ्तों में यात्री जवाब मांगेंगे, और एयरलाइनों द्वारा केवल औपचारिक बयान देने से काम नहीं चलेगा। उन्हें त्वरित कार्रवाई, स्पष्ट संवाद और कठोर सुरक्षा आश्वासनों के जरिए भरोसा फिर से जीतना होगा।

12 जून की यह त्रासदी संभवत: वैश्विक विमानन को प्रभावित न करे, लेकिन इसने हमें एक बार फिर बेहद दर्दनाक तरीके से याद दिलाया है कि आज के ऑटोपायलट और एआई युग में भी, जब ये धातु के पंछी आकाश में उड़ते हैं, तो उनमें सवार इंसानी जानें बेहद नाज़ुक संतुलन पर टिकी होती हैं।

24 देशों में किये गये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरी है। मैक्सिको, पोलैंड, कैनडा तथा स्वीडन में अमेरिका की छवि में भारी गिरावट आई है। सिर्फ 6 देश हैं, जहां ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, वहीं तीन देशों में अमेरिका की छवि और बेहतर हुई है।

विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में ट्रंप की रेटिंग हल्की है, पर खराब नहीं है। इनमें फ्रांस के इमैनुए मैक्रॉन 46 प्रतिशत के साथ सबसे आगे हैं। चीन के शी जिनपिंग व रुस के व्लादिमीर पुतिन पिछड़ रहे हैं। पुतिन को 16 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। ट्रंप को ईमानदारी व योग्यता के मामले में उनके पूर्ववर्ती जो बाइडन से कम माना जाता है, लेकिन ट्रंप की मजबूत नेता की छवि है। ट्रंप की यह छवि कुछ को आश्वासन लगती है तो कुछ को खतरा लगती है। ट्रंप भले ही वाइट हाउस पर पुन: काबिज हो गए हों, पर विश्व उनके प्रति आश्वस्त नहीं है, उनका नेतृत्व हालांकि आत्मविश्वास से भरपूर है, पर विश्व उनके प्रति बेहद सतर्क है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908